Student - Shashi Meshram
Date - 09/04/2022

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1

आधुनिकीकरण और भारतीय संस्कृति

भारतीय सभ्यता विश्व की पुरातन सभ्यताओं में से एक है। भारतीय सभ्यता अपनी भारतीय संस्कृति के लिए विश्व में अपनी एक अलग पहचान रखती है।

संस्कृति से तात्पर्य किसी क्षेत्र विशेष के रहन-सहन, वहाँ रहने वाले लोगों की वेशभूषा, खान-पान, धर्म, त्यौहार, भाषा इत्यादि के परस्पर समन्वय से है। भारतीय सभ्यता बहुत सारे धार्मिक, सामाजिक, भाषायी आदि की दृष्टि से भिन्न समूहों के लोगों से मिलकर बनी है। इसलिए ये सारी विभिन्नताएँ भारतीय संस्कृति का भाग हैं और इसे और अधिक समृद्ध बनाती हैं।

मनुष्य जाति का इस पृथ्वी पर अस्तित्व हजारों वर्षों पूर्व का माना जाता है। अपने अस्तित्व में आने से लेकर अब तक मानव जाति ने बहुत विकास किया। और यह विकास अभी भी निरंतर चल रहा है। इन वर्षों में मनुष्य ने अनेक आविष्कार किये, चाहे वह सभ्यता के आरंभ में 'पहिए' का आविष्कार हो या 20 वीं सदी में 'कंप्यूटर'

का। इन सभी आविष्कारों ने मानव जीवन को अधिक सरल बना दिया है। इस निरंतर विकास के क्रम में नये-नये आविष्कारों के कारण जन्म हुआ आधुनिकीकरण का।

आधुनिकीकरण का तात्पर्य किसी क्षेत्र या देश या संपूर्ण मानवजाति की आधुनिकता से है। आधुनिक आविष्कार जैसे परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष कार्यक्रम, सुपर कंप्यूटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता इत्यादि आधुनिकीकरण का परिणाम है। आधुनिकीकरण ने न केवल मानव जीवन को और अधिक सरल बना दिया बल्कि इसने हमारे मूल्यों और विचारधाराओं को भी काफी हद तक प्रभावित किया है।

भारतीय संस्कृति के आधारभूत मूल्य जैसे पारिवारिक संबंध, आचार, परस्पर विश्वास एवं मित्रता आदि जैसे पर आधुनिकीकरण का अत्यंत गहरा प्रभाव पड़ा है। आधुनिकीकरण के कारण अब लोग 'सोशल मीडिया' के माध्यम से हमेशा अपने रिश्तेदारों और परिवारजनों से जुड़े हुए रहते हैं। चाहे वो एक-दूसरे से हजारों किलोमीटर दूर रहते हों परन्तु

आधुनिक तकनीक जैसे 'विडियो कॉल' के माध्यम से वे यह दूरी महसूस नहीं करते हैं।

पहले यातायात के साधन भी कम थे और उनकी गुणवत्ता भी परन्तु अब सुपरफास्ट रेलगाड़ियाँ और हवाईजहाज ने यात्रा के समय को काफी कम कर दिया है। जिसकी वजह से अब अपने संबंधियों से मिलना भी काफी आसान होगया है। इस प्रकार आधुनिकीकरण ने पारिवारिक संबंधों को और अधिक मज़बूत करने में सराहनीय भूमिका निभायी है।

पहले विद्यार्जन करने के लिए गुरुकुल व्यवस्था हुए करती थी जहाँ छात्र गुरुकुल जाकर वहीं रहकर विद्या ग्रहण किया करते थे। धीरे-धीरे शालाओं एवं विश्वविद्यालयों में छात्रों को पढ़ाया जाने लगा। और आधुनिकीकरण के साथ अब छात्र विदेश में जाकर भी शिक्षा ग्रहण कर रहे होते हैं। साथ ही साथ इंटरनेट ने विद्यार्जन को बहुत ही अधिक सुलभ और सस्ता बना दिया है। अब इंटरनेट के माध्यम से घर बैठे विद्यार्थी 'डिस्टेंस लर्निंग' के माध्यम से पढ़ सकते हैं।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

आधुनिकीकरण का यह पहलू कोविड-महामारी के समय बड़ा ही कारगार सिद्ध हुआ।

परस्पर भाईचारा और मित्रता भी भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। आधुनिकीकरण के कारण बड़ी बड़ी कंपनियों का विकास हुआ। इनके कर्मचारियों के रूप में अलग-अलग प्रांत, राज्य, धर्म, भाषा आदि के लोगों का मिलना हुआ और उनकी मित्रता हुई। इसके अलावा 'सोशलमीडिया' भाईचारा और मित्रता बनाने और बनाये रखने में अपनी एक विशिष्ट भूमिका निभाता है जो कि आधुनिकीकरण के कारण संभव हुआ।

हर एक क्षेत्र के अपने अलग त्यौहार हैं जो सदियों से भारतीय संस्कृति का हिस्सा रहे हैं, सोशलमीडिया के माध्यम से अब ये त्यौहार अलग-अलग समूहों के लोगों द्वारा भी मनाये जाने लगे हैं जैसे नवरात्रि का गरबा गुजरात का मुख्य त्यौहार है किन्तु गरबे का आयोजन अन्य क्षेत्रों में भी उतनी ही धूम-धाम से किया जाने लगा है।

इसके अतिरिक्त अनेक भारतीय त्यौहार अब विदेशों में भी मनाये जाने लगे हैं जैसे होली, दिवाली आदि। यह सब इंटरनेट और सोशल मीडिया, जो कि आधुनिकीकरण का ही परिणाम है, के कारण संभव हो पाया है।

दूसरों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना और दूसरों के कष्ट दूर करने का प्रयास करना, भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न मूल्य है। आधुनिकीकरण के कारण भारत अब खाद्यान्नों और अन्य कई वस्तुओं का निर्यात करता है। और यह निर्यात तुलनात्मक रूप से निर्धन देशों को अलग-अलग व्यापार समझौतों के अंतर्गत कम मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता है। इसके अतिरिक्त भारत देश हमेशा अपने पड़ोसी देशों से परस्पर मैत्रीपूर्ण संबंध बनाकर रखता है और उनके कठिन समय में सदैव उनकी सहायता करने में तत्पर रहता है। इसका उदाहरण भारत द्वारा मालदीव और इंडोनेशिया को सुनामी के दौरान की गयी सहायता है। इसके अतिरिक्त कोविड महामारी के दौरान पड़ोसी देशों

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

जैसे भूटान, मालदीव इत्यादि को भारत ने 'टीके' भी उपलब्ध कराये। भारत और भारत के लोग हमेशा दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहते हैं और यह आधुनिकीकरण का ही एक परिणाम है।

भारतीय संस्कृति इसके खान-पान और वेशभूषा में भी प्रतिबिंबित होती है। आधुनिकता के इस दौर ने हमारे सांस्कृतिक वेशभूषा को भी काफी प्रभावित किया है। वैश्वीकरण के कारण अब लोग वेशभूषा के साथ नये-नये प्रयोग करने लगे हैं जो अंततः भारतीय संस्कृति को और अधिक समृद्ध बनाता है।

इंटरनेट के माध्यम से अब भारतीय खाना पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और पसंद किया जाता है। 'यूट्यूब' पर भारतीय पकवानों को बनाने की विधियाँ पूरे विश्व में देखी और प्रयोग की जाती है।
इस प्रकार आधुनिकीकरण भारतीय संस्कृति के वैश्वीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

भारतीय संस्कृति का मूल आधार भारतीय मूल्य हैं जो कि हमारे वैदिक साहित्य और धार्मिक ग्रंथ जैसे गीता और रामायण से आते हैं। अब आधुनिकीकरण के चलते गीता और रामायण के पाठ इंटरनेट पर उपलब्ध हैं और अब वैश्विक स्तर इन्हें पढ़ा और अपनाया जा रहा है।

'योग' और 'ध्यान' (मेडिटेशन) भारतीय संस्कृति के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। चूंकि आधुनिकीकरण के कारण सूचना का प्रसारण बहुत ही आसान हो गया है, 'योग' और 'ध्यान' इंटरनेट के माध्यम से पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। और इन्हें इंटरनेट के माध्यम से ही सिखाया भी जाता है। 'योग' और 'ध्यान' अब विदेशों में भी उतने ही प्रसिद्ध हैं जितने भारत में। आधुनिकीकरण के ही कारण अब कैसे अलग-अलग 'मोबाइल एप्लीकेशन' भी विकसित कर लिए गए हैं जो 'योग' और 'ध्यान' करना सिखाते हैं। इस प्रकार भारतीय संस्कृति आधुनिकीकरण के कारण और भी

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

अधिक सबल, वैश्विक और समृद्ध होती जा रही है।

भारतीय संस्कृति का एक और मुख्य मूल्य है शांति और सौहार्दता बनाये रखना और इसका प्रचार करना। अहिंसा का पालन करना और युद्ध को टालना। हमारे प्राचीन दार्शनिक जैसे गौतम बुद्ध, महावीर स्वामी, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी इत्यादि ने शांति, सौहार्दता, भाईचारा और अहिंसा पर ही बल दिया है। इसी बात का पालन करते हुए आधुनिक हथियारों जैसे परमाणु हथियार, मिसाइल, टैंक आदि का विकास करने के बाद भी भारत ने उन्हें खुद पहले न उपयोग करने की नीति अपनायी। यह आधुनिकीकरण एवं भारतीय संस्कृति का अमूल्य उदाहरण है।

आधुनिकीकरण के अत्याधिक फायदे होने के साथ-साथ कुछ नुकसान भी हैं जो भारतीय संस्कृति पर हानिकारक प्रभाव डालते हैं। उदाहरण स्वरूप अब इंटरनेट और सोशल मीडिया के कारण घर बच्चे पूरा

समय वहीं व्यर्थ कर देते और परिवार के साथ कम समय बिताते हैं।

आधुनिकीकरण के कारण बड़े उद्योग एवं कंपनियाँ केवल लाभ का सोचती हैं और अनैतिक कदम उठाने से भी पीछे नहीं हटती। जिससे ठगी और बेईमानी की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं। विजय माल्या और नीरव मोदी प्रकरण इसका उदाहरण है।

आधुनिकीकरण के कारण इंटरनेट का उपयोग काफी बढ़ गया है और इसने अनेक अपराधों या साइबर अपराधों को जन्म दिया है जैसे पहचान चोरी करना, अश्लीलता का प्रसार, ठगी और ऑनलाइन धमकियाँ आदि इसका उदाहरण है।

आधुनिकीकरण के कारण बहुत सारे आविष्कार हुए हैं जो भारत के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं, साथ ही इसके कुछ नुकसान भी हैं जो भारतीय संस्कृति को मलिन कर रहे हैं। इन हानिकारक प्रभावों को सही कानूनों का उपयोग करके नियंत्रित

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

किया जा सकता है। आधुनिकीकरण का ~~भा~~ भारतीय संस्कृति पर हानिकारक से अधिक लाभदायक प्रभाव रहा है। इसने भारतीय संस्कृति को और अधिक सबल, समृद्ध और वैश्विक बनाने में काफी सहायता करी है। यदि आधुनिकीकरण को भारतीय संस्कृति के साथ परस्पर 'समन्वय' बैठा लिया जाए तो महात्मा गाँधी का 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का स्वप्न सच्चाई में बदला जा सकता है। आवश्यकता है तो केवल आधुनिकीकरण और भारतीय संस्कृति के मूल्यों में परस्परता बनाने की।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कोरोना के प्रभाव

कोविड महामारी शताब्दी की सबसे बड़ी प्राकृतिक और मानवीय घटना के रूप में उभरी। इसने एक ही साथ सारे विश्व को अपनी चपेट में लेकर हाहाकार की स्थिति उत्पन्न करदी।

कोविड महामारी चीन के 'वुहान' प्रांत से प्रारंभ हुई और धीरे-धीरे सारे विश्व में फैल गयी। इसने पूरी मानव जाति को कई तरह से प्रभावित किया है। इन प्रभावों को लाभदायक और हानिकारक प्रभावों के रूप वर्गीकृत करना करना संभव नहीं होगा परन्तु इसके प्रभाव के अलग-अलग पहलुओं को अवश्य समझा जा सकता है।

कोविड महामारी प्रकृति के अभिशाप के रूप में:-

मानवजाति अपने अस्तित्व में आने से लेकर अबतक केवल आधुनिकीकरण और विकास ही किये जा रही है। और इसके लिए प्रकृति का बिना सोचे-समझे दोहन किया जा

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

जा सह रहा। मनुष्य अपनी सीमाओं को लांघते हुए अब वनों को तबाह कर चुका है और पशुओं के आवास को छीन रहा है। इसी का उदाहरण है कोविड वायरस का मनुष्य के संपर्क में आना।

कोविड महामारी ने पूरे विश्व के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा तंत्र को हिला दिया। भारत जैसे विकासशील देश में इसका प्रभाव और भी अधिक क्रूर था। "चिकित्सक और मरीज़ का अनुपात विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्धारित अनुपात (1:1000) से काफी कम होने के कारण इसने भारत में और अधिक विकराल रूप ले लिया।

निर्धनता और संसाधनों की कमी वाले वर्ग को अत्यधिक संघर्ष करना पड़ा। ~~पिछले~~ चिकित्सकीय सहायता की ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत कम होने के कारण ~~ग्रामी~~ 'दूसरी लहर' में ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति और बदतर हो गयी। बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों की हालत उस समय मीडिया का विषय बनी रही है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार..

लॉकडाउन के कारण आर्थिक नुकसान बढ़ गया। सकल घरेलू उत्पाद को काफी हानि पहुंची। छोटे और मध्यम उद्योग जो कि भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा कहे जाते हैं उन्हें काफी नुकसान सहना पड़ा जो अभी तक नहीं उबर पाये हैं।

लॉकडाउन, क्वारंटिन, और सोशल डिस्टेंसिंग के चलते सामाजिक मेल-जोल बंद हो गया और लोग अपने घरों में बंद हो गये। इसने घरेलू हिंसा को और बढ़ावा दिया संयुक्त राष्ट्र के 'महिला विंग' ने इसे 'शेडो पेंडेमिक' का नाम दिया।

इसके अतिरिक्त घर में पूरा समय व्यतीत करने से लोगों में अवसाद और तनाव जैसी चिकित्सकीय समस्याएं होने लगी। जो कि कोविड की ही देन है।

कोविड के अनेक हानिकारक प्रभावों के मध्य कुछ अच्छी बातें भी

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

नजर आयी। ~~जैसे~~

कोविड का दूसरा पहलू :—

कोविड ने जहाँ एक तरफ चिकित्सीय सूनामी ला दी वहीं दूसरी तरफ कुछ अच्छी चीज़ें भी हुई। जैसे लोग एक-दूसरे की मदद के लिए सामने आये।

सोनू सूद जैसे कलाकारों ने प्रवासी मजदूरों की सहायता करी। गुरुद्वारा, मंदिर इत्यादि ने मुफ्त भोजन की व्यवस्था करी।

सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों ने एकजुटता दिखाई। 'ऑक्सीजन सिलिंडर' एवं 'प्लाज्मा' डोनेशन के लिए भी सोशल मीडिया काफी कारगार सिद्ध हुआ।

भारत सरकार ने प्रवासी मजदूरों के लिए कई योजनाएँ शुरू करी जैसे स्वामित्व योजना, इसके अतिरिक्त मुफ्त राशन उपलब्ध कराया

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

गया और आत्मनिर्भर भारत पैकेज के अंतर्गत आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी गई।

कोविड ने महामारी के रूप में पूरे विश्व को एक साथ लाकर खड़ा कर दिया। जहाँ एक तरफ विभिन्न देश वैक्सीन का 'सालिडेटरी ट्रायल' कर रहे थे वहीं दूसरी तरफ एक-दूसरे की चिकित्सीय उपकरणों, दवाईयों एवं वैक्सीन उपलब्ध करवाने में सहायता भी कर रहे थे।

कोविड ने लोगों को संकट में डालकर भी संकट की घड़ी में एकजुट कर दिया। और साथ ही प्रकृति के विवेकपूर्ण दोहन का पाठ भी पढ़ा दिया।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या 3 1

आंगनवाड़ी केन्द्रों में भोजन की गुणवत्ता पर प्रतिवेदन

प्रतिवेदन

दिनांक :

आंगनवाड़ी केन्द्रों का मातृ एवं शिशु विकास कार्यक्रम के अंतर्गत विशिष्ट योगदान है। माताओं एवं शिशु ~~की~~ के पोषण के लिए आंगनवाड़ी द्वारा भोजन निर्माण और उसका वितरण का कार्य अत्यंत सराहनीय रहा है। विगत वर्षों में पाया गया है कि सरकार की इस पहल से गर्भवती महिलाओं, माताओं, किशोरी बालिकाओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य पर लाभदायक प्रभाव पड़ा है। जो कि प्रशंसनीय है। आंगनवाड़ी केंद्रों में भोजन की गुणवत्ता की जाँच की गयी और पाया गया की यह भोजन गुणवत्तापूर्ण है और निर्धारित मानकों के अनुसार है।

जिला प्रशासन
हस्ताक्षर
दिनांक :

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

9 2

परिपत्र
मध्यप्रदेश पर्यावरण विभाग
दिनांक :
पत्रांक :

प्रेषक,
सचिव, मध्यप्रदेश पर्यावरण विभाग

सभी जिला वन अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने-अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले वन क्षेत्रों के वनों की स्थिति का ब्यौरा तथा उनमें सुधार से संबंधित सुझाव पर्यावरण विभाग को प्रेषित करें।

प्रेषक,
सचिव,
मध्यप्रदेश पर्यावरण विभाग
हस्ताक्षर
दिनांक :